हर शहर में, हर गाव में, हर घर-घर में जानेवाली एकमेव जैन पत्रिका

महाराष्ट्र की एक ही पुकार पी. एच. जैन परिवार...

श्री. कांतीलालजी जैन

श्री. पारसजी मोदी

श्री. अविनाशजी चोरडिया जैन

राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री ऑल इंडिया श्वे.स्था. जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली

एप्रिल २०१२
वर्ष : २३ अंक : ४
किंमत २०/- रू.

जैन संदेश

• संपादक •
सुभाषबाबु लुंकड
jainsandesh1987@gmail.com

महेश नहाटा (नगरी छत्तीसगढ)

राष्ट्रपती श्रीमती प्रतिभाताई पाटील के करकमलोद्वारा गांधी तीर्थ का उद्घाटन

जलगाँव : गांधी व्यक्ति नहीं, विचार है । जो सत्य आधारित होने के कारण आज भी समीचीन हैं । आज के युवाओं को उनके विचारों को समझने की आवश्यकता है । भवरलाल ने कई उद्योगों की स्थापना की, किन्तु आने वाली पिढीयाँ उन्हें गाँधी तीर्थ की स्थापना के लिए याद रखेंगी । ये उद्गार महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील गाँधी तीथे के उद्घाटन के पश्चात आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए कही । गाँधी के भव्य स्मारक के लोकार्पण के पश्चात जलगाँव विश्व के मानचित्र पर गाँधी तीर्थ के लिए जाना जाएगा । इस अवसर पर महाराष्ट्र के राज्यपाल के. नारायणन्, वरिष्ठ शिक्षाशास्त्री देवी सिंह शेखावत, गाँधी रिसर्च फाऊंडेशन के चेअरमैन न्यायमुर्ति चंद्रशेखर धर्माधिकारी, संस्थापक भवरलाल जैन, संचालक डी. आर, मेहता, महात्मा गाँधी के प्रपौत्र तुषार गाँधी, श्री लंका के गाँधी नाम से विख्यात प्रसिद्ध सर्वोदयी नेता डॉ. ए. टी. अरियरत्ने, वरिष्ठ गाँधीयन एच. एस. दोराईस्वामी, नारायणराव जवरे जैसे गणमान्य मंच उपस्थित रहे । महामहिम ने सबसे पहले गाँधी तीर्थ परिसर में स्थित महात्मा गाँधी की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया । इस समारोह में भारत के कोने-कोने से आये गाँधीजनों ने भाग लिया ।

उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए आगे कहा कि युवा पीढी और नारी शक्ति को गाँधी विचार से जोडकर देश की दिशा और दशा निर्धारित करनी होगी । इस समय अपने देश में युवाओं की संख्या सर्वाधिक होने के कारण उसका भविष्य उज्ज्वल है । इन युवकों को परिश्रम का महत्त्व समझाते हुए इनके चरित्र निर्माण करने की आवश्यकता है । कोई भी व्यक्ति जन्म से नहीं, कर्म से बडा होता है । इसलिए युवाओं को रुझान कर्म के प्रति हो, इसका प्रयत्न करना चाहिए । इसमें गाँधी विचार अपनी अहम भूमिका निभा सकता है । यह गाँधी तीर्थ युवाओं को गढने में मददगार साबित होगा, इसका मुझे विश्वास है । गाँधी जी का लोगों ने एक से अधिक बार विरोध किया । किन्तु इस विरोध से वे डगमगाये नहीं, अपितु अन्तर्मन से और अधिक मजबूत होते गये । उन्होंने अपने आंदोलन को अहिंसा से जोड कर

विरोध का नया प्रतिमान स्थापित किया । विश्व के लोगों का नैतिक और आध्यात्मिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया । उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं आजादी मुहिम में भाग लिया । इसी प्रकार युवकों को भी महात्मा गाँधी ने आंदोलन से जोडा और उनकी ऊर्जा का उपयोग देश को स्वतंत्र करने के लिए किया ।

महात्मा गाँधी के प्रपौत्र तुषार गाँधी ने आशा व्यक्त की कि आने वाले दिनों में गाँधी तीर्थ, ज्ञान तीर्थ के रुप में बन कर उभरेगा । ऐसा केन्द्र बने, इसके लिए मेरी शुभकामनाएँ हैं । आने वाले दिनों में जलगाँव गाँधी विचारों की राजधानी बनेगा : न्याय. चंद्रशेखर धर्माधिकारी ।

गाँधी रिसर्च फाऊंडेशन के चेयरमैन न्यायमूर्ति चंद्रशेखर धर्माधिकारी ने समारोह को सम्बोधित करते हूए कहा कि गाँधी तीर्थ के संस्थापक भवरलाल जैन से मरी पहली मुलाकात उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ के प्रथम दीक्षांत समारोह में हुई थी । उस समारोह को सम्बोधित करते हुए मैंने यह आशा व्यक्त की है इस कान्हदेश में भी एक गाँधी तीर्थ है । उसी दिन वे मेरे पास आव्हान को भवरलाल जैन ने स्वीकार किया । उसका प्रतिफल यह गाँधी तीर्थ है । उसी दिन वे मेरे पास आये और गाँधी रिसर्च फाऊंडेशन के स्थापना बात की और मेरे कंधों पर इसके चेयरमैनशिप का भार डाल दिया । उनके निवेदन को मैं अस्वीकार नहीं कर सका । हमने मिल कर गाँधी रिसर्च का निर्माण किया । जिस प्रकार दिल्ली भारत की राजधानी है, बंबई को आर्थिक राजधानी के रुप में माना जाता है, ठीक उसी प्रकार आने वाले दिनों में जलगाँव को गाँधी विचार की राजधानी के रुप में जाना जाएगा । आगे उन्होंने कहा कि महामहिम महोदया ने सूत कताई करके हमारे सामने खादी का लक्ष्य रखा है । राष्ट्रपति महोदया ने खादी का वस्त्र पहनकर उसे राष्ट्रीय वस्त्र का गौरव प्रदान किया है ।

गाँधी तीर्थ में अधिक से अधिक उपक्रम संचालित किये जाएँगे - भवरलाल जैन । जब मैं महामहिम राष्ट्रपति महोदया से मिला तो उन्होंने कहा कि भाऊ आपने जीवन में कई कार्य किये, किन्तु उसमें सबसे महान कार्य गाँधी तीर्थ का निर्माण है । इस समय मेरी उम्र ७५ वर्ष है । बहुत पहले मैंने एक स्वप्न देखा था, उसे अब साकार कर सका । गाँधी तीर्थ पर हर दिन कोई न कोई कार्यक्रम होता रहे, यह मेरी आकांक्षा है । इस कार्यक्रम में २५० वरिष्ठ गाँधीजन उपस्थित है, यह इसका और हमारा गौरव है । श्रीलंका के गाँधी नाम से प्रसिद्ध डॉ. ए. टी. अरियरत्ने, एच. एस. दोराईस्वामी आदि गाँधीजनों ने आकर हम पर उपकार किया है, मैं इन सभी गाँधीजनों का आभारी हूँ ।

जिल्हा-तालुका प्रतियोगिता में भाग लेनेवाले विजेताओंका हार्दिक अभिनंदन

डिसेंबर २०११ को जिल्हा-तालुका इस प्रतियोगितामें ११७ भाई-बहनोंने भाग लिया था । उसमें से १०२ भाई-बहनोंने सही जवाब भेजा है, उनमें से ५ भाग्यमान विजेता...

प्रथम : राजेन्द्रकुमार कांतीलाल बंब

कोपरगांव - ३००/-रु.

द्वितीय : अजय शांतीलाल चानोदिया

धानोरा - २००/- रू.,

सौ. सीमा अशोककुमार अच्छा

जिंतुर - २००/- रू.

तृतीय : सौ. संध्या श्रीचंदजी झांबड

यवतमाळ - १००/- रू.,

सौ. लता सुभाषजी लुंकड

पूना - १००/- रू.

चुनाव

चुनाव का जब समय आया,
नेताजी ने तब मुखडा दिखाया ।
हमने भी अब दिमाग लडाया,
वोट ने नाम पर नेताजी को ठेंगा दिखाया ।